हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 05 अंक 28 | लखनऊ शनिवार 18 जुलाई 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रुपया

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़ दो की मौत, कई हताहत

10 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे; पहले दिन की यात्रा रुकी

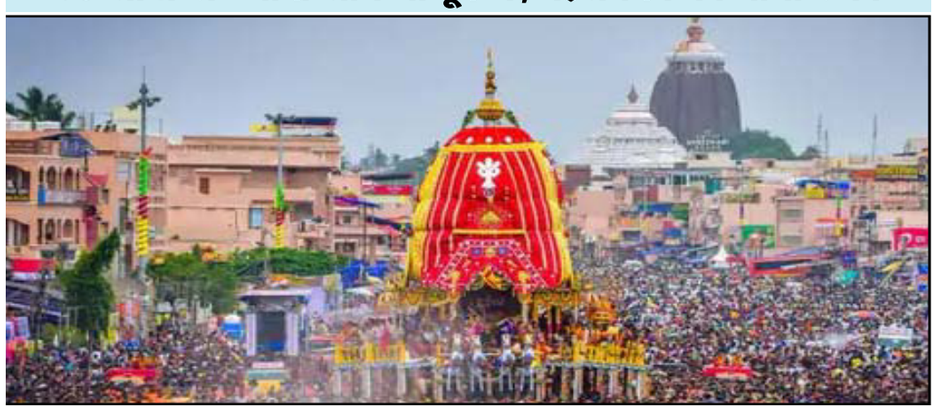

नई दिल्ली एजेंसी। तिरूअनंतपुरम एजेंसी। ओडिशा के पुरी में गुरुवार को जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें दो व्यक्ति की मौत हो गई है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे। यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी भीड़ में धक्का-मुक्की होने लगी। इससे भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। जब भगदड़ मची उस वक्त पुरी में तेज बारिश हो रही थी। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद थे। कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ के चलते रेस्क्यू किया गया। शाम करीब 7.30 बजे भगवान जगन्नाथ का रथ आगे बढ़ सका। कुछ ही मीटर चलने के बाद पहले दिन की यात्रा रोक दी गई। यह कल सुबह दोबारा शुरू होगी और 3द्मद्व दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाएगी।नवकलेवर वर्ष होने के कारण जगन्नाथ रथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु पहुंचे थे। भगवान बलभद्र का रथ खींचे जाने के दौरान ग्रैंड रोड के मारिचिकोट चौक के पास अचानक भीड़ बढ़ गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दम घुटने से 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हुए।जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के बाहर सरधाबली इलाके में तड़के हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए जुटे थे। इसी दौरान भीड़ एक साथ आगे बढ़ने लगी। लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े, जिससे भगदड़ मच गई। हादसे में 3 श्रद्धालुओं की मौत हुई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए। घटना के बाद राज्य सरकार ने न्यायिक जांच के आदेश दिए और लापरवाही के आरोप में कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की।पुरी में रथयात्रा के सबसे आखिर में भगवान जगन्नाथ का रथ आगे बढ़ गया है। नंदीघोष के के आगे बढ़ने के कुछ देर बाद ही रथयात्रा में विराम हो जाएगा। इसके बाद यात्रा कल सुबह गुंडीचा मंदिर के लिए रवाना होगी। पुरी में गुरुवार सुबह से बारिश हो रही थी। कई अनुष्ठान भी पानी के बीच हुए। शाम 5 बजे रथ आगे बढ़े। एक घंटा ही बीता था कि बारिश रुक गई। जो श्रद्धालु लॉज या होटल में रुके थे, वे भी इकट्?ठा होने लगे। इसके चलते रथों के आसपास भीड़ बढ़ी और धक्का-मुक्की होने लगी। दरअसल, मौसम विभाग ने रथ यात्रा के दौरान भारी बारिश का अंदेशा जताया था। तमाम तैयारियों के बावजूद पुलिस-प्रशासन का अनुमान था कि बारिश के चलते श्रद्धालु रथ यात्रा में शामिल होने से बचेंगे। लेकिन, बारिश थमते ही भीड़ बेकाबू हो गई। रथ यात्रा मार्ग पर हालात ये थे कि श्रद्धालु एक-दूसरे पर गिर रहे थे।

एआई और डीप टेक का अग्रणी केंद्र बनेगा यूपीः सीएम योगी

सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा बैठक को योगी ने किया संबोधित

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर तथा अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों का राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि नोएडा में विकसित होने वाली %प्रगति% (क्लन्नऊद्ध) परियोजना प्रदेश को विश्वस्तरीय रोबोटिक्स एवं एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग का आधार प्रदान करेगी, जबकि लखनऊ और नोएडा में स्थापित किए जा रहे यू हब अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप, उद्योग, निवेशकों और शिक्षण संस्थानों को एक मंच पर जोड़ते हुए डीप टेक नवाचार के प्रमुख केंद्र बनेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को नई तकनीकों का केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि अनुसंधान, नवाचार और उच्च प्रौद्योगिकी आधारित विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स आने वाली औद्योगिक क्रांति के प्रमुख आधार हैं। इसलिए एक ओर विश्वस्तरीय विनिर्माण अवसंरचना विकसित की जाए तो दूसरी ओर अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाला मजबूत डीप टेक इकोसिस्टम तैयार किया जाए। उद्योग, शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप, निवेशकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जहां नई तकनीकें तेजी से प्रयोगशाला से उद्योग तक पहुंच सकें और उत्तर प्रदेश वैश्विक प्रौद्योगिकी निवेश का प्रमुख केंद्र बनकर उभरे। बैठक में बताया गया कि इसी उद्देश्य से नोएडा में लगभग 75 एकड़ क्षेत्रफल में प्रगति अर्थात पार्क फॉर रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जीपीयू क्लस्टर्स एंड एडवांस्ड टेक्निकल इनोवेशन विकसित किया जाएगा। यह भारत का पहला एकीकृत रोबोटिक्स एवं एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर होगा, जहां रोबोटिक्स परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र, रैपिड प्रोटोटाइपिंग एवं विनिर्माण सुविधा, एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, मोशन कैप्चर लैब, फिजिकल एआई डेटा सेंटर, स्टार्टअप इनक्यूबेशन तथा को वर्किंग स्पेस जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही वैश्विक विनिर्माण कंपनियों, कंपोनेंट निर्माताओं, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों तथा विशेषीकृत सेवा प्रदाताओं का समग्र औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित किया जाएगा। बैठक में यह भी बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, रक्षा औद्योगिक गलियारा तथा मजबूत औद्योगिक एवं शैक्षणिक आधार के कारण नोएडा इस परियोजना के लिए सर्वाधिक उपयुक्त स्थान है। परियोजना का उद्देश्य प्रदेश को रोबोटिक्स एवं उच्च प्रौद्योगिकी आधारित विनिर्माण का राष्ट्रीय केंद्र बनाना, आयात पर निर्भरता कम करना, एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना तथा अगले पांच वर्षों में लगभग दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का सकल मूल्य संवर्धन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित यू हब को केवल स्टार्टअप के लिए कार्यस्थल नहीं, बल्कि अनुसंधान, नवाचार, उद्योग, निवेश, शिक्षण संस्थानों और प्रतिभाओं को जोड़ने वाले विश्वस्तरीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसा सशक्त मंच तैयार किया जाए, जहां शोध प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीकों का व्यावसायीकरण हो, नवाचार को निवेश मिले और युवाओं को अनुसंधान से उद्यमिता तक आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हों। इसका संचालन पूरी तरह पेशेवर, परिणामोन्मुख और वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप किया जाए। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में लखनऊ और नोएडा में दो यू हब स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आईआईटी कानपुर के निदेशक की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय डीप टेक इकोसिस्टम का अध्ययन कर इसकी अवधारणा, संरचना और संचालन मॉडल तैयार किया है। नोएडा यू हब को क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर डिजाइन, फिजिकल एआई, रोबोटिक्स, रक्षा प्रौद्योगिकी तथा उन्नत जैव प्रौद्योगिकी का केंद्र बनाया जाएगा, जबकि लखनऊ यू हब में एप्लाइड एआई, गवटेक, औद्योगिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के एआई समाधान, बायोसाइंस तथा एग्री बायोटेक्नोलॉजी पर विशेष फोकस रहेगा। यू हब के माध्यम से प्रदेश में डीप टेक स्टार्टअप, अनुसंधान आधारित नवाचार, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण तथा उच्च मूल्य के निवेश को नई गति मिलेगी।

उाराखंड बना पेपर लीक का एपिसेंटरः राहुल

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने के मामलों को लेकर बृहस्पतिवार को प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि देवभूमि को पेपर लीक का एपिसेंटर बना दिया गया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर यह भी कि वह ष्छात्रों की गूंजष् कार्यक्रम के तहत युवाओं और अभ्यर्थियों के अधिकारों की आवाज बुलंद करने के लिए 17 जुलाई को देहरादून पहुंच रहे हैं। उन्होंने युवाओं से इस लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया है। राहुल गांधी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग समेत अन्य परीक्षाओं का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, उत्तराखंड ही क्यों? क्योंकि देवभूमि को पेपर लीक का एपिसेंटर बना दिया गया है। यहां एक ऐसा शिसस्टमश् बैठ गया है, जहां पटवारी, लेखपाल या कोई और पद काबिलियत से नहीं, अपराधियों के तय किए रेट से मिलता है। उन्होंने पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा लागू किए गए नकल-विरोधी कानून पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने सखध्त कानून तो बनाया, लेकिन इसके बावजूद पेपर लीक होते रहे। उन्होंने आरोप लगाया, कघनून सिर्फ कागज पर ही सिमट कर रह गया और पेपर बाजार में सरेआम बिकते रहे। कांग्रेस नेता ने परीक्षार्थियों के संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बच्चा वर्षों तक कड़ी तैयारी करता है, फॉर्म भरता है, फीस देता है और दूर-दराज के सेंटरों तक परीक्षा देने जाता है, लेकिन अंत में उसका पद कोई और खरीद लेता है। उन्होंने इसे महज एक लीक नहीं बल्कि चोरी करार दिया और कहा कि यह प्रदेश के युवाओं के हक, उनके रोजगार और उनके भविष्य की चोरी है। उन्होंने कहा, मैं उत्तराखंड के हर अभ्यर्थी, हर छात्र, हर युवा से कहता हूं , यह आपकी लड़ाई है, और मैं आपके साथ हूं। आगामी 17 जुलाई को देहरादून में होने वाले अपने कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी ने युवाओं से अपील की कि वे छात्रों की गूंज को एक बड़ी हुंकार बनाएं।

इसरो के 100 वैज्ञानिकों ने छोड़ी नौकरी

इनमें गगनयान और दूसरे मिशनों से जुड़े वैज्ञानिक भी, अब सरकार की सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के गगनयान और दूसरे अहम मिशनों से जुड़े वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर अब पहले की तरह आसानी से मंजूरी नहीं मिलेगी। अंतरिक्ष विभाग ने 14 जुलाई को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ग्रुप ए वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे या वीआरएस के आवेदन नियमित प्रक्रिया के तहत स्वीकार नहीं किए जाएं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये निर्देश ऐसे समय आए हैं, जब पिछने 10 महीनों के दौरान 100 से ज्यादा कर्मचारी ISRO छोड़ चुके हैं। सबसे ज्यादा इस्तीफे बेंगलुरु के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर और तिरुवनंतपुरम के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर से हुए हैं। इस्तीफा देने वालों में वरिष्ठ वैज्ञानिक विक्टर जोसेफ टी भी शामिल हैं। वे VSSC में जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल Mk III प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। बताया गया है कि उन्होंने फरवरी में इस्तीफा दिया। इससे पहले वे करीब 13 महीने तक LVMx प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। यही लॉन्च व्हीकल गगनयान मिशन में इस्तेमाल किया जाएगा।आदेश में कहा गया है कि इस्तीफों और ड्ढक्र्र के मामलों में तेजी आने से गगनयान और दूसरे राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट्स पर असर पड़ रहा है। इसलिए नौकरी छोड़ने के आवेदनों पर अब अंतिम फैसला अंतरिक्ष विभाग करेगा। यह निर्देश RSC, VSSC, सतीश धवन स्पेस सेंटर, लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर , स्पेस एप्लिकेशंस सेंटर , नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर , ISTRAC और मास्टर कंट्रोल फैसिलिटी (MCF) समेत कई केंद्रों को भेजा गया है। अब इन केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारियों, चाहे वे साइंटिस्ट/इंजीनियर-एसजी रैंक या उससे नीचे के हों, उनके इस्तीफे या VRS के आवेदन केंद्र निदेशक की स्पष्ट सिफारिश के साथ अंतरिक्ष विभाग को भेजे जाएं। अंतिम निर्णय विभाग स्तर पर लिया जाएगा। इसके पहले 2020 में किए गए प्रशासनिक बदलाव में ISRO केंद्रों के निदेशकों और प्रमुखों को इस्तीफे और VRS स्वीकार करने का अधिकार दिया गया था।रिपोर्ट के मुताबिक, ISRO छोड़ने वाले कुछ वैज्ञानिक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप्स से जुड़ गए हैं। 2020 में केंद्र सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने और 2023 में भारतीय अंतरिक्ष नीति लागू होने के बाद इस क्षेत्र में तेजी से स्टार्टअप्स बढ़े हैं। फिलहाल देश में 400 से ज्यादा पंजीकृत स्पेस स्टार्टअप हैं। इनमें करीब 500 मिलियन डॉलर का निवेश आया है। सिर्फ 2025 में ही लगभग 150 मिलियन डॉलर का निवेश हुआ है। पिक्सेल, ध्रुवा स्पेस, स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस और बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस जैसी कंपनियां इस क्षेत्र में आगे हैं। इस बीच ISRO के पूर्व चेयरमैन डॉ. सोमनाथ एस, चेन्नई की स्पेस स्टार्टअप कंपनी अग्निकुल कॉसमॉस के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए हैं।

सोमनाथ जनवरी 2025 तक ढ्ढस्क्रह्र चेयरमैन रहे। उन्होंने कई अहम मिशनों की देखरेख की।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही सरकार : सिंधिया

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को अशोक नगर जिले के बहादुरपुर स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कृषि सम्मेलन में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं, कृषि विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सिंधिया ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त के माध्यम से अशोक नगर जिले के हजारों किसानों के खातों में राशि अंतरित कर उन्हें लाभान्वित किया गया है। यह योजना किसानों की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही है। उन्होंने किसानों की बैंकिंग सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बहादुरपुर में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नई शाखा प्रारंभ किए जाने की जानकारी दी। इससे किसानों को बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा तथा कृषि ऋण एवं अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि मुंगावली क्षेत्र में नए विद्युत सब-स्टेशनों की स्थापना की गई है, जिससे किसानों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे सिंचाई व्यवस्था बेहतर होगी और किसान अपनी फसल का अधिक उत्पादन लेकर उचित लाभ प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने खाद एवं यूरिया वितरण व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि जिले में खाद की उपलब्धता पर्याप्त है तथा वितरण में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने गेहूं, चना एवं मसूर की समर्थन मूल्य पर खरीदी, किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों तथा मृदा स्वास्थ्य परीक्षण (सॉयल हेल्थ कार्ड) की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक पद्धति से खेती अपनाने और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया गया है। जिसका उद्देश्य कृषकों की आय में वृद्धि करना, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता विभागों की विभिन्न योजनाओं का लाभ कृषकों को प्रदान करना है। आय में वृद्धि के लिए दूध, फल, सब्जी और मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ अन्य स्त्रोतों से भी आय के अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें : सुप्रीम कोर्ट

बोर्ड परीक्षा के एक साल पहले बच्चों में तनाव बढ़ेगा, सरकार से कहिए ऐसा न करें

नई दिल्ली,एजेंसी। अयोध्या/लखनऊ, संवाददाता। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सीबीएसई को 9वीं से थ्री लैंग्वेंज पॉलिसी लागू नहीं करनी चाहिए। 9वीं कक्षा की पढ़ाई पहले से मुश्किल है, ऐसे में तीसरी भाषा को शामिल करने की क्या जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि इससे स्टूडेंट्स का मानसिक तनाव बढ़ सकता है। भारत सरकार से कहिए कि ऐसा न करें। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि तीसरी भाषा को क्लास 5 या 6 में ही शुरू कर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्र इसके साथ अधिक प्रभावी ढंग से तालमेल बिठा सकें। दरअसल, बेंच तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। तमिलनाडु सरकार छ्वह्रङ्क में लागू थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के पक्ष में नहीं है।जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि तीसरी भाषा को पढ़ाना 6वीं क्लास में शुरू करना चाहिए और 9वीं में इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं का दबाव कक्षा 8 से ही शुरू हो जाता है। आगे उन्होंने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बताते हुए कहा कि जब मैं स्कूल में थी तब 8वीं के बच्चों को 10वीं की चीजें पढ़ाई जाती थीं। उस वक्त ऐसी हालत थी तो आप समझ सकते हैं आज बच्चों पर कितना बोझ होगा।सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के नवोदय विद्यालय शुरू करने के आदेश पर तमिलनाडु सरकार से कहा कि आपके यहां नवोदय विद्यालय होने चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि केंद्र सरकार इसका पूरा खर्च उठाएगी, आपको सिर्फ जमीन उपलब्ध करानी है। यह रवैया न रखिए। लेकिन तमिलनाडु सरकार के अनुरोध के बाद अदालत ने मामले को स्थगित कर दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी।इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ष्ठक्क्रस्श की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता है सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या अंग्रेजी को भारत की स्वदेशी (मूल) भाषा माना जा सकता है। साथ ही इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों को लेकर सरकार और सीबीएसई से 10 दिन में जवाब मांगा है। अब 14 दिन बाद 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी। दरअसल, थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी मौजूदा 2026-27 सेशन से लागू कर दी गई है। नई पॉलिसी के मुताबिक स्टूडेंट्स को 2 भारतीय भाषाएं और एक विदेशी भाषा पढ़नी होगी। ऐसे में उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है था कि ष्ठक्क्रस्श ने तैयारी के बिना तीन-भाषा नीति लागू कर दी है। स्कूलों में पर्याप्त टीचर, किताबें और जरूरी एकेडमिक इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद नहीं है, जिससे स्टूडेंट-टीचर को परेशानी हो रही है।सुप्रीम कोर्ट में ष्ठक्क्रस्श के उस नियम को चुनौती दी गई है, जिसके तहत 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 के छात्रों के लिए तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य कर दिया गया है।

बेटों की याद में महिला ने काशी विश्वनाथ मंदिर को दिया तीन करोड़ का दान

वाराणसी,संवाददाता। अपने पति और दोनों बेटों को खोने के बाद सांसारिक जीवन से विरक्त हुई तमिलनाडु की 80 वर्षीय एक महिला ने धार्मिक एवं जनकल्याण कार्यों के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को तीन करोड़ रुपये का गुप्त दान दिया है। महिला की इच्छा का सम्मान करते हुए मंदिर प्रशासन ने उनकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार महिला ने अपने दिवंगत दोनों पुत्रों की स्मृति में दो करोड़ रुपये तथा मंदिर के अन्नक्षेत्र के लिए एक करोड़ रुपये का चेक मंदिर न्यास को सौंपा। इसे अब तक मंदिर को मिला सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान माना जा रहा है। इससे पहले अंबानी परिवार ने मंदिर को ढाई करोड़ रुपये का दान दिया था। महिला ने वाराणसी मंडल के आयुक्त एस. राजलिंगम को ई-मेल के माध्यम से मंदिर में दान देने की इच्छा व्यक्त की थी और उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का अनुरोध किया था। इसके बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क स्थापित किया। महिला ने शुरुआत से ही अपनी पहचान गोपनीय रखने का आग्रह किया था। महिला अपने मैनेजर के साथ 12 जुलाई को मंडलायुक्त से मिलीं और तीन करोड़ रुपये के दो चेक उन्हें सौंपे। इसके अतिरिक्त उन्होंने 25-25 हजार रुपये के पांच अलग-अलग चेक भी दिए तथा इच्छा जताई कि इनकी राशि से प्रत्येक वर्ष श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कराया जाए। दान की औपचारिकता पूरी करने के बाद महिला ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया और बिना किसी प्रचार-प्रसार के वाराणसी से लौट गईं। मंदिर न्यास के अनुसार पिछले दो वर्षों में केवल अन्नक्षेत्र के लिए ही लगभग दो करोड़ रुपये का दान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2026 में 50 हजार रुपये से अधिक दान देने वाले 16 श्रद्धालुओं ने अन्नक्षेत्र के लिए कुल 1.14 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण से पहले मंदिर को प्रतिवर्ष लगभग 20 करोड़ रुपये का दान मिलता था, जो अब बढ़कर करीब 84 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वर्ष 2022 में दक्षिण भारत के एक श्रद्धालु ने मंदिर को 60 किलोग्राम सोना भी दान किया था।

मंदिरों में भ्रष्टाचार : वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित गर्ग
****

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे,

> **मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।**

बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए।

संम्पादकीय

बेलगाम महंगाई, बेपरवाह सरकार

केंद्र सरकार के तमाम दावों के विपरीत देश में महंगाई एक भयंकर समस्या की तरह छा चुकी है और ऐसा लग रहा है कि देश गंभीर आर्थिक संकट का शिकार होने जा रहा है। नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा के तमाम नेता केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों के लिए डबल इंजन सरकार का विशेषण इस्तेमाल करते हैं। इसका अभिप्राय यह हुआ कि एक इंजन जितनी क्षमता से गाड़ी खींचेगा, डबल इंजन दोगुनी ताकत लगाएगा, यानी हर चीज में रफ्तार बढ़ेगी। कायदे से इस विशेषण का सकारात्मक असर दिखना चाहिए था, लेकिन फिलहाल डबल इंजन सरकारों के दौर में महंगाई का श्डबल अटैकश् यानी दोगुना वार देखा जा रहा है। पहले खुदरा महंगाई दर के बढ़ने की खबर आई और अब सरकारी आंकड़े ही बता रहे हैं कि थोक महंगाई दर भी उम्मीद से ज्यादा बढ़ गई है। मंगलवार को सरकार की ओर से जून का होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) यानी थोक महंगाई का आंकड़ा जारी किया गया, जिसके मुताबिक, थोक महंगाई जून में बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर जा पहुंची, जो इससे पहले मई महीने में 9.68 प्रतिशत थी। इससे पहले सोमवार को सरकार ने खुदरा महंगाई दर का आंकड़ा जारी किया था। जिसमें पता चला कि जून में खुदरा महंगाई तेजी से बढ़ते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के तय 4 प्रतिशत के लक्ष्य के पार निकल गई है। ये लगातार छठा महीना है, जबकि महंगाई दर में बढ़ोतरी हुई है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी महीने दर महीने 3.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है, जबकि जबकि गैर-खाद्य पदार्थों की कीमतों में 1.43 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के पास इस महंगाई को सही ठहराने के तर्क भी मौजूद हैं, जो बाकायदा अर्थशास्त्रियों की जुबान से समझाए जाने लगे हैं। जैसे बताया जा रहा है कि इस बार थोक महंगाई को बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ खाद्य उत्पादों और गैर-खाद्य वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों का रहा है। बारिश की कमी और अल नीनो के प्रभाव के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे जून में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 5.49 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में महज 3.60 प्रतिशत थी। इसके साथ ही, गैर-खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर भी उच्च स्तर पर यानी 11.07 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि जून में ईंधन महंगाई दर घटकर 27.41 प्रतिशत रह गई, जो मई में 30.33 प्रतिशत के चरम स्तर पर थी। इसके पीछे कारण यह है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा हुई तो जून में वैश्विक कमोडिटी और कच्चे तेल की कीमतों को थोड़ी राहत मिली थी, जिसका असर घरेलू स्तर पर भी दिखा। लेकिन अब तो फिर जंग छिड़ गई है, लिहाजा ईंधन महंगाई दर भी अब बढ़ेगी और उस वजह से फिर सारी चीजों को महंगा करने का अच्छा बहाना मिल जाएगा। इसलिए अभी से बताया जा रहा है कि जुलाई 2026 में थोक महंगाई दर 10 प्रतिशत के पार जा सकती है। थोक महंगाई का सीधा असर खुदरा महंगाई पर पड़ता ही है। आरबीआई ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई अनुमान को 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, क्योंकि ईंधन की ऊंची वैश्विक कीमतों का असर अब खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी दिखने लगा है।

जगन्नाथ रथयात्रा : उतार-चढ़ाव, विध्वंस और पुनर्निर्माण के बीच अमर है आस्था की परंपरा

रमेश शर्मा
****

पुरी की विश्वविख्यात भगवान जगन्नाथ रथयात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता, सामाजिक समरसता और सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है। इस वर्ष रथयात्रा शुरू हो गई है जोकि 24 जुलाई तक आयोजित होगी। 25 जुलाई को नीलाद्री बीजे के साथ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मुख्य मंदिर में वापसी होगी तथा 27 जुलाई से पुनः दर्शन आरंभ होंगे। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इस महापर्व में सहभागी बनते हैं और यह सिद्ध करते हैं कि भारत की आध्यात्मिक चेतना समय, सत्ता और परिस्थितियों से कहीं अधिक शक्तिशाली है। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर चार धामों में से एक है तथा आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित गोवर्धन मठ का भी केंद्र है। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ के रूप में अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को तीनों देवता भव्य रथों पर आरूढ़ होकर गुंडिचा मंदिर की यात्रा करते हैं और कुछ दिनों बाद पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। भगवान जगन्नाथ नंदीघोष, बलभद्र तालध्वज और देवी सुभद्रा दर्पदलन रथ पर विराजते हैं। लाखों श्रद्धालु लगभग 50 मीटर लंबी रस्सियों से इन रथों को हाथों से खींचते हैं। रथ को खींचना ईश्वर की सेवा और पुण्य का कार्य माना जाता है। यही कारण है कि इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र की सभी सीमाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। रथयात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया से प्रारंभ होती है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं और उनका निर्माण पूरी तरह पारंपरिक शिल्पकला से होता है। आधुनिक मशीनों के स्थान पर

स्थानीय कारीगर अपनी पीढ़ियों से चली आ रही कला का उपयोग करते हैं। रथों के निर्माण में मुख्यतः काष्ठ का प्रयोग होता है और प्रकृति के संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाता है। यह परंपरा भारतीय संस्कृति के उस विचार को पुष्ट करती है कि धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। साथ ही यह स्थानीय शिल्पकारों और लोककला को जीवित रखने का भी प्रभावी माध्यम है। रथयात्रा का सबसे प्रेरक दृश्य वह होता है जब पुरी के गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। इस परंपरा को %छेरा पहरा% कहा जाता है। राजा के साथ राजपुरोहित तथा सबर जनजाति के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहते हैं। राजा द्वारा झाड़ू लगाना यह संदेश देता है कि ईश्वर के समक्ष कोई बड़ा या छोटा नहीं है। मंदिर की सेवा-व्यवस्था में भी विभिन्न समाजों और परंपराओं के लोगों की सहभागिता रहती है। यही कारण है कि जगन्नाथ धाम भारतीय सामाजिक समरसता और समावेशी संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि यह क्षेत्र प्राचीनकाल में सबर जनजाति का था। उनके प्रमुख विश्ववसु भगवान नीलमाधव के उपासक थे। राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान ने मंदिर निर्माण का आदेश दिया। बाद में समुद्र से प्राप्त दिव्य काष्ठ से भगवान की प्रतिमा बनाने का निर्देश मिला। स्वयं विश्वकर्मा बढ़ई के रूप में प्रतिमा निर्माण के लिए आए और अधूरी प्रतीत होने वाली उन्हीं प्रतिमाओं की स्थापना की गई। आज भी भगवान जगन्नाथ की विशिष्ट काष्ठ प्रतिमाएं उसी परंपरा का प्रतीक हैं। जगन्नाथ परंपरा भारत की सांस्कृतिक अखंडता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में, कर्मभूमि द्वारका में और जगन्नाथ रूप में उनका प्रतिष्ठान पुरी में है। मान्यता है कि प्रथम काष्ठ समुद्र के माध्यम से द्वारका से पुरी पहुँचा। दूसरी ओर, देवी सुभद्रा का संबंध हस्तिनापुर से माना जाता है, जबकि विभीषण की आराधना से जुड़ी परंपरा दक्षिण की सांस्कृतिक स्मृतियों को जोड़ती है। इस प्रकार पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण- संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक चेतना इस एक मंदिर और रथयात्रा में समाहित दिखाई देती है। साथ ही भगवान अपने भाई और बहन के साथ विराजमान होकर भारतीय परिवार व्यवस्था और पारिवारिक समन्वय का भी संदेश देते हैं। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास भक्ति के साथ ही संघर्ष और पुनर्जागरण का भी इतिहास है। 14वीं शताब्दी से लेकर मुगल काल तक मंदिर पर अनेक आक्रमण हुए। इलियास शाह, फिरोज शाह तुगलक, इस्माइल गाजी, अफगान आक्रमणकारी काला पहाड़ तथा बाद में कई मुगल सेनापतियों ने मंदिर को क्षति पहुँचाई। सबसे भीषण आक्रमण 1568 में काला पहाड़ और बाद में औरंगज़ेब के शासनकाल में हुआ। अनेक बार मंदिर को ध्वस्त किया गया, लूटपाट हुई और श्रद्धालुओं का नरसंहार भी हुआ। किंतु हर संकट के समय पुजारियों और भक्तों ने भगवान की प्रतिमाओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाकर परंपरा को जीवित रखा। यही कारण है कि मंदिर का इतिहास विध्वंस से अधिक पुनर्निर्माण और अटूट आस्था का इतिहास बन गया। मुगल सत्ता के पतन के बाद मराठा शासनकाल में मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य गति पकड़ता है। आगे चलकर इंदौर की धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक शासकों और श्रद्धालुओं के प्रयासों से मंदिर को पुनः उसका गौरव प्राप्त हुआ आज जब समाज अनेक प्रकार की विभाजक प्रवृत्तियों का सामना कर रहा है, तब जगन्नाथ रथयात्रा हमें समरसता, सेवा, समानता और राष्ट्रीय एकात्मता का संदेश देती है। लाखों लोग बिना किसी भेदभाव के एक ही रस्सी को पकड़कर भगवान के रथ को आगे बढ़ाते हैं। यही दृश्य भारतीय संस्कृति के उस आदर्श को साकार करता है, जिसमें समूचा समाज एक परिवार माना गया है, इसीलिए जगन्नाथ रथयात्रा केवल ओडिशा का पर्व नहीं, बल्कि भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और अजेय आस्था का महापर्व है। सदियों तक आक्रमण, विध्वंस और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के बाद भी यह परंपरा आज उसी श्रद्धा, वैभव और उत्साह के साथ जीवित है।

यही इसकी सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि और भारत की सांस्कृतिक शक्ति का सबसे सशक्त प्रमाण है।

आज का राशिफल

मेष: निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।	मिथुन: संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।
वृषभ: आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।	कर्क: बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
सिंह: नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।	तुला: महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
कन्या: किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।	वृश्चिक: परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
धनु: मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।	कुंभ: राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
मकर: विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।	मीन: आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

सह अस्तित्व और मानवीय गरिमा पर कुरआन का दृष्टिकोण

सैय्यद जाहिद अली रियासत
****

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी का देश है, जो दुनिया के सबसे अधिक धार्मिक विविधता में एकता और एकता में अनेकता लिए हुए है इस समुदाय के लिए मानवीय गरिमा और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का क़ुरआनी दृष्टिकोण कोई अमूर्त धार्मिक सिद्धांत नहीं, बल्कि अनेक धर्मों, भाषाओं और परंपराओं वाले देश में दैनिक जीवन का जीवंत मार्गदर्शक है। ऐसे समय में, जब सार्वजनिक विमर्श अक्सर एकता के आधार तलाशता है, यह उचित है कि हम स्वयं क़ुरआन की ओर लौटकर देखें कि वह प्रत्येक मनुष्य के सम्मान और सौहार्दपूर्वक साथ रहने के दायित्व के बारे में क्या कहता है। क़ुरआन मानव गरिमा की चर्चा किसी विशेष समुदाय से नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता से आरंभ करता है। सूरह अल-इस्रा में अल्लाह फ़रमाता है: 'और निश्चय ही हमने आदम की संतान को सम्मान प्रदान किया, उन्हें स्थल और जल पर सवारी दी, उन्हें पाक और उत्तम रोज़ी प्रदान की, और अपनी बहुत-सी सृष्टि पर उन्हें श्रेष्ठता दी।' (17:70) मुफस्सिरों (व्याख्याकारों) ने लंबे समय से इस बात पर बल दिया है कि यह सम्मान प्रत्येक मनुष्य को केवल इंसान होने के नाते प्राप्त है, चाहे उसका धर्म, जाति, नस्ल या सामाजिक दर्जा कुछ भी हो। इस दृष्टि से गरिमा धन, वंश या शक्ति से अर्जित नहीं होती, बल्कि समस्त मानवता को सृष्टिकर्ता द्वारा जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में प्रदान की गई है। इसका अर्थ है कि मानव जीवन और मानव सम्मान का आदर इस स्वीकार से आरंभ होता है कि प्रत्येक व्यक्ति ईश्वर-प्रदत्त गरिमा का वाहक है। साझी मानवीय गरिमा की यही अवधारणा आगे सूरह अल-हुजुरात में और स्पष्ट होती है, जहाँ क़ुरआन केवल मुसलमानों से नहीं, बल्कि समस्त मानवता से संबोधित होकर कहता है: 'हे लोगो! हमने तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से पैदा किया और तुम्हें विभिन्न जातियों और क़बीलों में इसलिए विभाजित किया ताकि तुम एक-दूसरे को पहचानो। निस्संदेह, अल्लाह की दृष्टि में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वही है जो सबसे अधिक धर्मपरायण है।' (49:13) जाने माने व्याख्याकार इब्न कसीर ने स्पष्ट किया है कि यह आयत वंश, क़बीले, रंग या राष्ट्रीयता के आधार पर होने वाले अहंकार को समाप्त करने के लिए अवतरित हुई। यह आयत स्पष्ट करती है कि वास्तविक श्रेष्ठता जन्म या पृष्ठभूमि में नहीं, बल्कि धर्मपरायणता और उत्तम आचरण में निहित है। क़ुरआन दूसरों के धार्मिक विश्वास की स्वतंत्रता के विषय में भी अत्यंत स्पष्ट है। सूरह अल-बक़रह में कहा गया है: 'धर्म के विषय में कोई जबरदस्ती नहीं है, क्योंकि सत्य असत्य से स्पष्ट हो चुका है।' (2:256) सदियों से विद्वानों ने इसे एक स्थायी सिद्धांत के रूप में समझा है कि किसी भी व्यक्ति को किसी धर्म को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, क्योंकि ईमान दिल और अंतरात्मा का विषय है। धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक वचन पर आधारित भारत जैसे देश में यह क़ुरआनी सिद्धांत 'सर्व धर्म समभाव' की भारतीय सभ्यतागत भावना से गहरा सामंजस्य रखता है। सिर्फ़ सहिष्णुता तक सीमित न रहकर, क़ुरआन उन लोगों के प्रति सक्रिय सद्भावना और न्याय का आह्वान करता है जो अन्य धर्मों से संबंध रखते हुए भी शांतिपूर्वक साथ रहते हैं। सूरह अल-मुम्तहना में कहा गया है: 'अल्लाह तुम्हें उन लोगों के साथ भलाई और न्याय करने से नहीं रोकता जिन्होंने धर्म के कारण तुमसे युद्ध नहीं किया और न तुम्हें तुम्हारे घरों से निकाला। निस्संदेह, अल्लाह न्याय करने वालों से प्रेम करता है।' (60:8) यह आयत केवल सह-अस्तित्व तक सीमित नहीं रहती, बल्कि अन्य धर्मों के पड़ोसियों के प्रति सदाचार, निष्पक्षता और करुणा का सकारात्मक दायित्व निर्धारित करती है। तभी कहा जाता ही कि अल्लाह कभी तुमसे खुश नहीं होगा अगर तुम्हारा पड़ोसी भूखा हो ,अल्लाह ने सभी को बराबर का दर्जा दिया है , जो कपड़े तुम खुद के लिए खरीद रहे हो वही कपड़े जिसे दे रहे हो उसे भी दो उससे कम दर्जे का ना हो ,भारत के गाँवों, मोहल्लों और मिश्रित बस्तियों में, जहाँ हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी अक्सर एक ही सड़क, एक ही विद्यालय तथा जीवन के सुख-दुःख साझा करते हैं, यह शिक्षा विशेष रूप से सार्थक है। वास्तव में भारतीय मुसलमानों ने सदियों से इस क़ुरआनी नैतिकता को देश की साझा सांस्कृतिक विरासत में जीवंत रखा है। भारत के विभिन्न भागों में पहुँचे सूफ़ी संतों–विशेषकर अजमेर के ख़्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी –ने करुणा और सर्वसमावेशी प्रेम की ऐसी परंपरा स्थापित की जिसने हर पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत किया। आज भी अजमेर शरीफ़ दरगाह, जिसका प्रशासन दरगाह ख़्वाजा साहब अधिनियम, 1955 के अंतर्गत भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अधीन संचालित होता है, इस विरासत को आगे बढ़ा रही है। यह प्रतिवर्ष विभिन्न धर्मों के लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत करती है तथा सामुदायिक भोजन, रमज़ान के दौरान निःशुल्क भोजन, तीर्थयात्रियों के लिए चिकित्सा सहायता, विधवाओं, निराश्रित महिलाओं और ज़रूरतमंद विद्यार्थियों के सहयोग जैसी अनेक लोककल्याणकारी सेवाएँ प्रदान करती है। यह इस बात का समकालीन और सरकारी अभिलेखों से प्रमाणित उदाहरण है कि इस्लामी परंपरा से जुड़े सूफ़ी संस्थानों ने विभिन्न आस्थाओं के बीच खुलेपन, सेवा और साझा अपनत्व की संस्कृति को कैसे पोषित किया है। यही भावना उस व्यापक सांस्कृतिक परंपरा में भी दिखाई देती है जिसे सामान्यतः 'गंगा-जमुनी तहज़ीब' कहा जाता है। उत्तर भारत की इस साझा संस्कृति में हिंदू और मुसलमान पीढ़ियों से एक-दूसरे के त्योहारों में सहभागी रहे हैं, क़व्वाली जैसी कलात्मक परंपराओं को मिलकर विकसित किया है और शिष्टाचार तथा पारस्परिक सम्मान की एक साझा संस्कृति का निर्माण किया है। भारत सरकार का अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, जिसकी स्थापना अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण और विकास के उद्देश्य से की गई है, आज भी ऐसी संस्थाओं और पहलों का समर्थन करता है। यह भारत की उस संवैधानिक प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है जो बहुलतावादी, समावेशी समाज की स्थापना के लिए समर्पित है और जिसमें क़ुरआन के उपर्युक्त मूल्य स्वाभाविक रूप से अपना स्थान पाते हैं।

म्यांमार के तट पर रोहिंग्या शरणार्थियों को ले जा रही 2 नावें डूबीं, 500 की मौत

म्यांमार के तट से रोहिंग्या शरणार्थियों को लेकर निकली दो नौकाओं के बंगाल की खाड़ी में पलट जाने से लगभग 500 लोगों के मारे जाने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) और संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने गुरुवार को जारी संयुक्त बयान में इस घटना की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नौकाएं जून के अंत में म्यांमार के रखाइन राज्य से रवाना हुई थीं। इनमें अधिकांश यात्री रोहिंग्या समुदाय के थे, जो सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य की तलाश में समुद्री यात्रा पर निकले थे।

संयुक्त राष्ट्र की दोनों एजेंसियों ने बताया कि घटनाओं की रिपोर्ट प्राप्त हुई है और उनकी सत्यता तथा संभावित

जनहानि की जांच की जा रही है। फिलहाल मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

संयुक्त बयान के अनुसार, लगभग 250 लोगों को लेकर रवाना हुई पहली नौका समुद्र में निकलने के कुछ ही समय बाद संपर्क से बाहर हो गई। इसके बाद 280 यात्रियों को लेकर जा रही दूसरी नौका 8 जुलाई को म्यांमार के अय्यारवाडी तट के निकट पलट गई।प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि दोनों घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है।रिपोर्ट के अनुसार, संभावित मृतकों में अधिकांश वे रोहिंग्या शरणार्थी हैं, जो बांग्लादेश के कॉक्स बाजार स्थित विशाल शरणार्थी शिविरों में रह रहे थे। इन शिविरों में 10 लाख से अधिक रोहिंग्या अत्यंत कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने को विवश हैं।वर्ष 2017 में म्यांमार की सुरक्षा कार्रवाई के दौरान व्यापक हिंसा और उत्पीड़न के बाद बड़ी संख्या में रोहिंग्या समुदाय के लोग सीमा पार कर बांग्लादेश पहुंच गए थे और तब से वे शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं।रोहिंग्या शरणार्थी हर वर्ष बेहतर जीवन और सुरक्षा की उम्मीद में समुद्र के रास्ते मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। इन यात्राओं का संचालन अक्सर मानव तस्करी गिरोह जर्जर और असुरक्षित नौकाओं के माध्यम से करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है।संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त के अनुसार, वर्ष 2025 में लगभग 6,500 रोहिंग्या शरणार्थियों ने मानव तस्करों के माध्यम से ऐसी खतरनाक समुद्री यात्राएं की थीं। वहीं वर्ष 2026 में अब तक लगभग 900 रोहिंग्या शरणार्थियों के उत्तरी हिंद महासागर में लापता होने या मृत मिलने की सूचना सामने आई है।समुद्री मार्ग और मौसम की स्थिति के अनुसार यह यात्रा सामान्यतः दो सप्ताह से लेकर एक महीने तक चलती है।

रोहिंग्या समुदाय की स्थिति म्यांमार में लंबे समय से गंभीर बनी हुई है। वर्ष 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद देश में गृहयुद्ध जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो गई, जिससे रखाइन राज्य सहित कई क्षेत्रों में हिंसा और अस्थिरता बढ़ गई।रखाइन में रोहिंग्या आबादी सरकारी सेना और विद्रोही अराकान आर्मी के बीच जारी संघर्ष के कारण लगातार संकट में फंसी हुई है।म्यांमार सरकार रोहिंग्या समुदाय के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों से इनकार करती है। साथ ही वह रोहिंग्याओं को देश का वैध नागरिक नहीं मानती और उन्हें अवैध प्रवासी बताती है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में रोहिंग्या परिवार सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन और बेहतर अवसरों की तलाश में जोखिम भरी समुद्री यात्राएं करने को मजबूर हैं।

संक्षिप्त समाचार

इजराइल का दावा- गाजा के 60% हिस्से पर अब सेना का नियंत्रण

। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने गाजा पट्टी के 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अब हमास के लिए 07 अक्टूबर 2023 जैसी बड़े पैमाने की घुसपैठ दोहराना संभव नहीं रह गया है, हालांकि संगठन अब भी गाजा के शेष हिस्से में मौजूद है और उसकी कुछ सैन्य क्षमता बरकरार है।आईडीएफ के सेंट्रल कमांड प्रमुख मेजर जनरल एवी ब्लुथ ने 99वीं डिवीजन के कमांडर के पदभार ग्रहण समारोह में कहा कि उत्तरी गाजा के पास से देखा जा सकता है कि सेना ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है और अब गाजा के 60 प्रतिशत से ज्यादा इलाके पर उसका नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि गाजा सीमा से सटे इजरायली समुदायों की सुरक्षा के लिए दो डिवीजनों की तैनाती की गई है और अब पहले जैसी घुसपैठ का खतरा नहीं रहा।हालांकि ब्लुथ ने स्वीकार किया कि हमास अब भी गाजा के शेष हिस्से पर नियंत्रण बनाए हुए है और उसके पास कुछ सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि संगठन का इजरायल को नष्ट करने का उद्देश्य अब भी नहीं बदला है।इससे पहले, मई में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को गाजा के 70 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित करने का निर्देश दिया था। अक्टूबर 2025 में लागू युद्धविराम के समय आईडीएफ के नियंत्रण में लगभग 53 प्रतिशत गाजा था, जबकि शेष 47 प्रतिशत क्षेत्र हमास के नियंत्रण में था, जहां गाजा की लगभग पूरी आबादी निवास करती है।इजराइल के इस दावे के बीच गाजा में संघर्ष जारी है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार स्थायी युद्धविराम तथा मानवीय सहायता बढ़ाने की अपील कर रहा है।

अब अमेरिका विदेशी छात्रों और पत्रकारों को तय अवधि के लिए ही देगा वीजा

वॉशिंगटन,। अमेरिका ने विदेशी छात्रों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में शामिल प्रतिभागियों और विदेशी पत्रकारों के लिए वीजा नियमों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी की है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने गुरुवार को प्रस्तावित अंतिम नियम जारी करते हुए कहा कि अब इन श्रेणियों के वीजा निर्धारित समयावधि के लिए जारी किए जाएंगे।नए नियम के तहत 'एफ' वीजा पर पढ़ाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों, 'जे' वीजा पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के तहत अमेरिका आने वाले प्रतिभागियों तथा 'आई' वीजा पर कार्यरत विदेशी मीडिया कर्मियों के लिए वीजा की अवधि पहले से तय होगी।वर्तमान व्यवस्था में इन वीजा धारकों को कार्यक्रम या अमेरिका में रोजगार की अवधि पूरी होने तक रहने की अनुमति मिलती है। यानी उनकी वैधता कार्यक्रम की अवधि से जुड़ी होती है, न कि किसी निश्चित समय सीमा से।डीएचएस के अनुसार, इस नियम को लागू करने से पहले अमेरिकी कांग्रेस इसकी समीक्षा करेगी। समीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इसकी प्रभावी तिथि तय की जाएगी।

भारत-ईयू इस साल के अंत तक एफटीए पर हस्ताक्षर के लिए सहमतः पीयूष गोयल

नई दिल्ली, । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने पर अपनी सहमति जताई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यह जानकारी दी।गोयल ने फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में भारत और फिनलैंड व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह व्यापार समझौता 2027 की पहली तिमाही (फरवरी-मार्च) के आसपास लागू हो जाएगा।वाणिज्य मंत्री ने कहा, '27 देशों वाले ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौते के बारे में ब्रुसेल्स में हुई बैठकों में हमने यह तय किया है कि 2026 के आखिर तक अंतिम कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसे 2027 की पहली तिमाही यानी अगले वर्ष फरवरी-मार्च के आस-पास लागू किया जाएगा। 'वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इससे पहले पीयूष गोयल ने फिनलैंड की अपनी आधिकारिक यात्रा की शुरुआत एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ की। इस प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उद्योग जगत के नेता एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश एवं उद्योग में सहयोग को मजबूत करना है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के इस यात्रा के दौरान दो संस्थागत समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया गया है, मंत्रिस्तरीय बातचीत हुई और प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय तथा फिनिश उद्योगों के बीच व्यापक स्तर पर चर्चा एवं संवाद हुआ। दौरे के पहले दिन पीयूष गोयल ने फ़िनलैंड के आर्थिक मामलों के मंत्री डॉ सकारी पुइस्तो के साथ द्विपक्षीय बातचीत की।मंत्रालय के मुताबिक इस बातचीत में वित्तीय बाजारों, नवाचार, उद्यमों के लिए वित्तपोषण में सहयोग को मजबूत करने तथा द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

एफडीए की महाराष्ट्र में कार्रवाई, एआई-आधारित शिकायत पोर्टल लॉन्च

मुंबई, । महाराष्ट्र अन्न व औषधि प्रशासन (एफडीए) की कार्रवाई पूरे राज्य में जारी है। एफडीए ने नागरिकों के लिए एक एआई-आधारित शिकायत पोर्टल लॉन्च किया है। इसके माध्यम से राज्य में मिलावटी खाद्य पदार्थ और नकली दवाओं की शिकायतें अब मराठी, हिंदी या अंग्रेजी में केवल बोलकर आसानी से दर्ज की जा सकेंगी.एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर पूरे राज्य में मिलावट खोरों और गुटखा कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। एफडीए अधिकारियों के अनुसार बोल कर की गई शिकायत को एआई एक लिखित शिकायत में बदल देगा। इस नई तकनीक में नागरिकों को अब लंबी शिकायतें टाइप करने की आवश्यकता नहीं है। वे अपनी समस्या बोलकर दर्ज करा सकते हैं। हर शिकायत का एंड-टू-एंड ट्रैक रिकॉर्ड रखा जाएगा। यदि किसी

अधिकारी द्वारा शिकायत पर एक निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं की जाती है, तो सिस्टम स्वचालित रूप से उसे उच्च अधिकारियों को भेज देगा। इसके अलावा जनता हेल्प लाइन नंबर 1800 222 365 पर भी संपर्क कर सकती है।एफडीए ने मुंबई के प्रतिष्ठित पारसी डेयरी फार्म का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन और स्वच्छता में कमी पाए जाने के कारण की गई है। मरीन ड्राइव स्थित पारसी डेयरी फार्म पर एफडीए की टीम ने कार्रवाई की है। गंभीर स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को देखते हुए एफडीए ने यह सख्त कदम उठाया है। बीते दिनों एफडीए ने मुंबई के चर्चगेट स्थित मशहूर 'के रुस्तम एंड कंपनी आइसक्रीम पार्लर का भी लाइसेंस रद्द कर दिया था। वहां मक्खियों, जिंदा चूहों और एक्सपायर्ड उत्पादों जैसी गंभीर खामियां पाई गई थी। जोगेश्वरी में नकली साबून बनाने वाले कारखाने पर छापा मारकर 11 लाख रुपये का नकली उत्पाद जब्त किया गया है। गोरेगांव पश्चिम के प्रेमनगर में दूध की थैलियों में छेड़छाड़ करके बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गोवंडी में एक डेयरी व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एफडीए ने राज्यव्यापी छापेमारी के दौरान लगभग 190 करोड़ रुपये का मिलावटी और प्रतिबंधित खाद्य सामग्री जब्त किए हैं। इसके तहत कुल 16 गिरफ्तारियां और 11 एफआईआर दर्ज की गई हैं।पूरे राज्य में दूध और दूध उत्पादों पर कार्रवाई की गई है।

जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री कृष्णा गौर

भोपाल। मध्य प्रदेश की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि स्व. बाबूलाल गौर की प्रेरणा से गोविंदपुरा अंचल में जनसेवा और नव-निर्माण का जो महाअभियान प्रारंभ हुआ था, वह आज भी अनवरत गतिमान है। क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति वर्तमान सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में सम्मिलित है।राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर गुरुवार को भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 57 में भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रही थी। उन्होंने इस मौके पर क्षेत्रवासियों की सुख-सुविधाओं के लिए लगभग 81 लाख रुपये की लागत के विभिन्न लोक-कल्याणकारी निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। भगत सिंह चौराहे से शक्तिनगर तक सड़क के दोनों ओर 33 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक का निर्माण ,शक्तिनगर सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर के समीप श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 8 लाख रुपये की लागत से शेड का निर्माण तथा स्थानीय युवाओं को खेल के आधुनिक संसाधन एवं रात्रिकालीन खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सुभाष खेल मैदान में 40 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक फ्लड लाइट का भूमि - पूजन किया ।राज्यमंत्री कृष्णा कृष्णा गौर ने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, धार्मिक व सामाजिक स्थलों का कायाकल्प और खेल प्रतिभाओं को उन्नत मंच प्रदान करना उनकी विकास नीति का एक अनिवार्य हिस्सा है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से न केवल नागरिकों को उच्च स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी, बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपनी खेल गतिविधियों को निखारने के लिए एक सकारात्मक वातावरण और आधुनिक संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि समस्त स्वीकृत कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और पूर्ण गुणवत्ता के साथ किए जाएं, जिससे जनता को इनका लाभ शीघ्र मिल सके। कार्यक्रम में प्रताप सिंह बैस, पार्षद अर्चना परमार, नीरज सिंह, सुरेंद्र बाड़ीका, टीआर मिश्रा, अशोक पटेल, सुनील द्विवेदी, दीपक गुप्ता, केवल मिश्रा सहित नागरिक और स्थानीय रहवासी उपस्थित रहे।

नीट-यूजी पेपर लीक में खुलासा; लातूर कोचिंग संचालक ने खरीदा प्रश्न-पत्र, 136 में 111 सवाल मिले

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-स्नातक) 2026 के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विशेष न्यायालय के समक्ष महत्वपूर्ण खुलासा किया है। जांच एजेंसी ने बताया कि महाराष्ट्र के लातूर स्थित एक कोचिंग संस्थान के संचालक के मोबाइल फोन से 136 हस्तलिखित प्रश्न बरामद हुए हैं, जिनमें से 111 प्रश्न राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के मूल प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं।सीबीआई के अनुसार, लातूर निवासी शिवराज मोटेगांवकर, जो रेनुकाई केमिस्ट्री क्लासेस का संचालन करते हैं, ने कथित रूप से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के प्रश्नपत्र तैयार करने वाले व्यक्ति को पांच लाख रुपये का भुगतान किया था। जांच एजेंसी ने यह जानकारी मोटेगांवकर की जमानत याचिका का विरोध करते हुए विशेष न्यायालय में प्रस्तुत की।जांच में यह भी सामने आया है कि मोटेगांवकर को तीन मई को आयोजित नीट-स्नातक परीक्षा से पहले, 23 अप्रैल को ही कथित रूप

से प्रश्नपत्र उपलब्ध करा दिए गए थे। एजेंसी का दावा है कि उनके मोबाइल से मिले हस्तलिखित प्रश्न मूल प्रश्नपत्र से काफी हद तक मेल खाते हैं, जो मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं।सीबीआई ने न्यायालय को बताया कि यह प्रश्नपत्र लातूर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे तथा सेवानिवृत्त रसायन विज्ञान व्याख्याता एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के पूर्व पैनल सदस्य पी. वी. कुलकर्णी के नेटवर्क के माध्यम से मोटेगांवकर तक पहुंचे। जांच एजेंसी का आरोप है कि इन लोगों की प्रश्नपत्रों तक पहुंच थी और इसी माध्यम से प्रश्नपत्र लीक किए गए।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कथित रूप से लीक प्रश्नपत्रों की प्रतियां टेलीग्राम संदेश मंच के माध्यम से दस लाख रुपये तक में बेची गईं। सीबीआई के अनुसार, प्रश्नपत्र खरीदने के बाद उनका अवैध रूप से प्रसार किया गया।जांच एजेंसी ने यह भी उल्लेख किया कि मोटेगांवकर पहले अंशकालिक शिक्षक थे, लेकिन बाद में उन्होंने बड़े स्तर पर कोचिंग संस्थान का संचालन शुरू किया। उनका 'मोटेगांवकर सर आरसीसी' नाम से एक वीडियो मंच चैनल भी है, जिसके 1.6 लाख से अधिक सदस्य बताए जाते हैं। उनकी कोचिंग संस्था से वर्ष 2025 में 19 विद्यार्थियों का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में चयन हुआ था। जांच एजेंसी इस तथ्य को भी मामले की जांच के संदर्भ में देख रही है।उल्लेखनीय है कि नीट-स्नातक 2026 की परीक्षा तीन मई को आयोजित हुई थी, जिसमें लगभग 23 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इसके बाद राजस्थान में सात मई को प्रश्नपत्र लीक की सूचना सामने आने पर 12 मई को परीक्षा निरस्त कर दी गई और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी गई।दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित किए जाने से पहले देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए। प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर अभ्यर्थियों और विभिन्न संगठनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी उठाई। इस बीच कई छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने भी मामले को गंभीर बना दिया।सीबीआई ने अब तक इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बीसी विवाद में मैकेनिक की मौत, तीन गिरफ्तार

आगरा,। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के भगवती बाग में बीसी के पैसों के विवाद में एक खराद मैकेनिक की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी उदय अग्रवाल उर्फ पुल्ली और उसके दो बेटों लखन व आकाश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तीनों को सोमवार को टेढ़ी बगिया बस स्टैंड के पास से पकड़ा गया। मृतक की पहचान दिनेश शर्मा के रूप में हुई है। मृतक के बेटे शिवम शर्मा की तहरीर पर दर्ज मुकदमे के अनुसार, उदय अग्रवाल ने हिसाब-किताब के बहाने दिनेश शर्मा को अपने घर बुलाया था। आरोप है कि वहां तीनों आरोपियों ने दिनेश शर्मा के साथ मारपीट की और गंभीर हालत में उन्हें गली के बाहर फेंक दिया। परिजन दिनेश शर्मा को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन और मुकदमे में अन्य नाम जोड़े जाने के बाद करीब 15 घंटे बाद अंतिम संस्कार किया गया। डीसीपी सिटी के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हृदयाघात बताया गया है। हालांकि, परिजनों के हत्या के आरोपों, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों को देखते हुए पुलिस की विवेचना अभी जारी है। विधिक राय के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी बताया कि मुख्य आरोपी उदय अग्रवाल उर्फ पुल्ली का आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ पहले भी हत्या का एक मुकदमा दर्ज है।

अमेरिका में भारतीयों की अवैध घुसपैठ घटी, 2023 के बाद 69 प्रतिशत कमी

वाशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्ती के बाद अमेरिका में भारतीयों की अवैध घुसपैठ कम हो गई है। अमेरिकी सीमा अधिकारियों के आंकड़े बताते हैं कि मई 2026 तक 20,614 भारतीय प्रवासियों को अवैध तरीके से सीमा पार करते हुए पकड़ा गया, जो मई 2023 के मुकाबले काफी कम है। मई 2023 में अधिकारियों ने 67,000 भारतीय अवैध प्रवासियों को रोका था। वर्ष 2026 में यह आंकड़ा 69 प्रतिशत कम हो गया है।सूत्रों ने अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के आंकड़ों से बताया कि अमेरिका की दोनों जमीनी सीमाओं पर अवैध घुसपैठ में भारी कमी आई है।मेक्सिको से दक्षिण-पश्चिमी सीमा पार करने की कोशिश कर रहे भारतीय प्रवासियों के साथ आमना-सामना 99 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि कनाडा के साथ उत्तरी सीमा पर ऐसी घटनाओं में 91 प्रतिशत की कमी आई है।सीबीपी अमेरिकी सरकार के वित्तीय वर्ष, अक्टूबर से सितंबर तक आंकड़ों का संग्रह करता है।

नगला सिकरवार में बनेगा अत्याधुनिक इंटर कॉलेज, स्टेडियम

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से 35 करोड़ की परियोजना

आगरा,। अकोला ब्लॉक के नगला सिकरवार गांव में मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट योजना के तहत 35 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक कंपोजिट विद्यालय और आधुनिक स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना फतेहपुर सीकरी विधानसभा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। कंपोजिट विद्यालय पर लगभग 30 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जो नर्सरी से इंटरमीडिएट तक की शिक्षा प्रदान करेगा। वहीं, आधुनिक स्टेडियम के निर्माण पर 5 करोड़ रुपये का व्यय होगा। इस परियोजना के लिए अकोला ब्लॉक के नगला सिकरवार गांव में भूमि चिन्हित कर ली गई है। गुरुवार को विधायक प्रतिनिधि डॉ. रामेश्वर चौधरी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह के साथ मौके पर पहुंचकर प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय और स्टेडियम के निर्माण की संभावनाओं तथा आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रस्तावित कंपोजिट विद्यालय में छात्रों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, एक समृद्ध पुस्तकालय और खेल मैदान जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं और अभ्यास के लिए एक आधुनिक मैदान मिलेगा, जिससे उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्राप्त होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से फतेहपुर सीकरी विधानसभा क्षेत्र के हजारों छात्र-छात्राओं को अपने ही क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त होगी। निरीक्षण के दौरान प्रधानपति जयपाल सिकरवार, प्रताप प्रधान, सुरेश सरपंच, जितेंद्र चौधरी, बच्चू सिंह, शैलेंद्र पाल, अजब सिंह फौजी, प्रेम सिंह, नत्थी पहलवान, चेतराम सिंह, रविंद्र चाहर और राजन सिंह भगौर सहित कई स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव, ईरान जा रहे खाली तेल टैंकर ने किया नाकाबंदी

तेहरान/वाशिंगटन, ईरान के बंदरगाहों के खिलाफ की गई अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका ने नाकाबंदी का उल्लंघन कर ईरान की तरफ बढ़ रहे एक खाली तेल टैंकर (जहाज) पर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। यही नहीं, नाकाबंदी लागू होने के पहले 24 घंटों के दौरान नियमों का पालन करने वाले दो वाणिज्यिक जहाजों को खतरे से आगाह करते हुए उनका रास्ता बदल दिया। अमेरिका ने ईरान के सैन्य और रणनीतिक केंद्रों पर भी हवाई हमले किए हैं। कई शहरों में भीषण धमाके हुए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात पर सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की है।एबीसी न्यूज, सीएनएन और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले खाली तेल टैंकर को बेकार कर दिया गया है।कुराकाओ के झंडे वाला टैंकर एमटी बेल्मा अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में खार्ग द्वीप की ओर जा रहा था। इस दौरान लगातार उसने चेतावनी को नजर अंदाज

किया। एक अमेरिकी विमान ने जहाज की चिमनी (स्मोकस्टैक) पर हेलफायर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। खार्ग द्वीप ईरान के लिए आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी फिर से लागू होने के बाद से रोका गया यह पहला जहाज है।

आईआरजीसी को मिट्टी में मिलाने का वक्त

इस सबके बीच मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार शाम सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई बढ़ाने के विकल्पों पर चर्चा की गई। ट्रंप ने कहा कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को मटियामेट करने का समय आ गया है। कॉर्प्स के साथ बातचीत नहीं की जा सकती। उन्होंने दावा किया कि ईरान के कुछ अधिकारियों ने फोन करके मिलने की इच्छा जताई।सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ हवाई हमलों का नया दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने दोपहर तीन बजे (पूर्वी समय) ईरान पर हमले कर उन सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले जहाजों को धमकाने के लिए किया जाता है। अमेरिकी सेना ने ग्रेटर टुनब द्वीप को भी निशाने पर लिया है। इस बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान के मामले में अमेरिका मूल रूप से सही रास्ते पर है पर यह मामला काफी उलझा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका किसी अनिश्चितकालीन बमबारी अभियान में शामिल नहीं होगा।

ईरान के कई इलाकों में बुधवार देर शाम (स्थानीय समय) धमाकों की आवाज सुनी गई। इनमें बंदर अब्बास बंदरगाह शहर और दक्षिणी शहर अहवाज और चाबहार शामिल हैं। सरकारी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' (आईआरआईबी) के अनुसार, अहवाज में स्थित शहीद बघाई कैंसर अस्पताल के पास अमेरिकी हमले का एक प्रोजेक्टाइल गिरने से काफी नुकसान हुआ है। यहां भर्ती 211 मरीजों को जैसे-तैसे बाहर निकाला गया। बमबारी से ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और जीवन बचाने वाले अन्य उपकरणों पर निर्भर मरीज भी प्रभावित हुए। बुधवार देररात ईरान के केशम द्वीप, बंदर अब्बास और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत की कुछ जगहों पर धमाकों की आवाज सुनी गई।

होर्मुज से 13 जहाज गुजरे

मरीन ट्रैफिक के डेटा से पता चलता है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद पिछले 24 घंटों में कम से कम 13 कमर्शियल जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे। इनमें से आठ आठ फारस की खाड़ी में दाखिल हुए। युद्ध से पहले जलडमरूमध्य से रोजाना औसतन लगभग 110 जहाज गुजरते थे। इस बीच अमेरिकी सेना ने ईरान जाने वाले तीन जहाजों को रोककर ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी के उपाय लागू किए, लेकिन ईरानी सेना ने कहा कि जब तक अमेरिका ईरान के नियमों को नहीं मानता तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा।

योग गुरु पं. नवीन को मिला 'मिस्टर फिजिक-2026' का खिताब, फिटनेस और योग का दिया संदेश

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के कृष्णानगर स्थित फैमलिया होटल में आयोजित भव्य फैशन शो एवं मेकअप सेमिनार में योगाचार्य पं. नवीन को विशिष्ट अतिथि (वीवीआईपी गेस्ट) के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान योग एवं फिटनेस के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें प्रतिष्ठित 'मिस्टर फिजिक-2026' के खिताब से सम्मानित किया गया।सम्मान प्राप्त करने के बाद पं. नवीन ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ और निरोग जीवन के लिए अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को अवश्य शामिल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि योग, आसन और प्राणायाम न केवल शरीर को फिट रखते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं तथा एकाग्रता और कार्यक्षमता में वृद्धि करते हैं।योग एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में लंबे समय से सेवाएं दे रहे पं. नवीन को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है।कार्यक्रम का आयोजन फैशन जगत की जानी-मानी हस्ती निधि श्रीवास्तव (फाउंडर, न्यू ट्रेंड मेकअप स्टूडियो) एवं डायरेक्टर अयूब खान द्वारा किया गया।कार्यक्रम में प्रोफेशनल बॉलीवुड सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट उमा सिंह चौहान और सुनीता वर्मा ने जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाई।इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा नेता मुकेश मिश्रा, शनाया त्रिपाठी, रानी श्रीवास्तव, शहजादी नवाब पठान, ग्लोबल ब्लू डायमंड डायरेक्टर दिनेश यादव सहित बॉलीवुड, फैशन और मेकअप इंडस्ट्री से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में फिटनेस, फैशन और सौंदर्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

पुलिस पर गंभीर आरोप दरोगा व सिपाही पर मारपीट जातिसूचक टिप्पणी का आरोप

डीसीपी-एसीपी से लेकर आईजीआरएस तक शिकायत वायरल वीडियो के बावजूद नहीं कोई कार्यवाही

मोहनलालगंज लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के अघैया गांव निवासी अंकित कुमार ने निगोहा पुलिस के दो कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है पीड़ित ने थानाध्यक्ष निगोहां को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि दरोगा मोहित सैनी और सिपाही मुकेश ने उसके साथ बिना किसी कारण मारपीट की उसकी पत्नी के साथ अभद्र व्यवहार किया जातिसूचक टिप्पणी की तथा पूरे परिवार को झूठे मुकदमों में फंसाने और जेल भेजने की धमकी दी पीड़ित का कहना है कि मामले की शिकायत डीसीपी दक्षिणी एसीपी मोहनलालगंज और आईजीआरएस पोर्टल पर भी की जा चुकी है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है पीड़ित अंकित कुमार ने बताया कि वह अनुसूचित जाति समुदाय से है घटना के दिन वह अपने खेत में धान की रोपाई करने के बाद घर लौटा था और दोबारा खेत के लिए डीजल लेने जा रहा था इसी दौरान घर के पास दरोगा मोहित सैनी और सिपाही मुकेश मिले उन्होंने उसके पिता राममिलन के बारे में पूछताछ की अंकित के अनुसार उसने बताया कि वह अभी खेत से आया है और दोबारा डीजल लेने जा रहा है इसलिए उसे इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं है आरोप है कि इतना कहते ही दरोगा मोहित सैनी ने उसे थप्पड़ मार दिया और इसके बाद सिपाही मुकेश भी बिना किसी कारण उसकी पिटाई करने लगे शोर सुनकर उसकी पत्नी शिवानी बीच-बचाव करने पहुंची तो आरोप है कि दरोगा ने उसके बाल पकड़ लिए धक्का दिया और उसके साथ भी अभद्र व्यवहार किया जिससे उसकी मयार्दा को ठेस पहुंची पीड़ित का आरोप है कि दोनों पुलिसकर्मियों ने मारपीट के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसका कॉलर पकड़कर जबरन थाने ले जाने का प्रयास किया इसी दौरान गांव के कई लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिसकर्मियों से मारपीट का कारण पूछने लगे आरोप है कि दरोगा ने ग्रामीणों से कहा कि उन पर कुछ लोगों का दबाव है और राममिलन की एक दरखास्त के संबंध में कार्रवाई करने आए हैं घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने विरोध जताया इसी बीच पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस बल बुला लिया जबकि पीड़ित पक्ष ने भी डायल-112 पर फोन कर सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को प्रार्थना पत्र देने की सलाह दी अंकित कुमार का आरोप है कि जाते समय दरोगा मोहित सैनी और सिपाही मुकेश ने शिकायत करने पर पूरे परिवार को झूठे मुकदमों में फंसाने और जेल भेजने की धमकी दी पीड़ित का कहना है कि इस घटना के बाद पूरा परिवार भय के माहौल में रह रहा है और पुलिस उत्पीड़न की आशंका से डरा हुआ है पीड़ित ने यह भी बताया कि वह अपनी शिकायत लेकर थानाध्यक्ष निगोहां से मिलने पहुंचा था लेकिन उसे कोई राहत नहीं मिली इसके बाद उसने डीसीपी दक्षिणी एसीपी मोहनलालगंज तथा आईजीआरएस पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई इसके बावजूद अब तक आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई पीड़ित का आरोप है कि थाना प्रभारी भी आरोपी पुलिसकर्मियों का पक्ष ले रहे हैं जिससे निष्पक्ष जांच की उम्मीद कम होती दिखाई दे रही है पीड़ित ने मांग की है कि दरोगा मोहित सैनी और सिपाही मुकेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा उसे और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए वहीं ग्रामीणों का कहना है कि घटना के समय कई लोग मौके पर मौजूद थे और यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरी सच्चाई सामने आ सकती है इस मामले में एसीपी मोहनलालगंज राजेश सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

सीएचसी की लापरवाही से गई 5 साल के बच्चे की जान

मोहनलालगंज लखनऊ

मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टिकरा जुगराज में सर्पदंश के बाद समय पर इलाज न मिलने से 5 वर्षीय कार्तिक की मौत हो गई परिजनों ने सीएचसी मोहनलालगंज पर लापरवाही का आरोप लगाया है बता दें कि 9 जुलाई को हरिश्चंद्र पाल के बेटे कार्तिक को सांप ने काट लिया था परिजन उसे सीएचसी ले गएआरोप है कि वहां डॉक्टरों ने ₹सांप नहीं, चूहे ने काटा है₹ कहकर पैर का बंधन खोलकर घर भेज दिया घर जाते समय भट्ठी बरकत नगर चौराहे के पास बच्चे के मुंह से झाग आने लगा हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सिविल अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान 15 जुलाई को कार्तिक की मौत हो गई घटना की जानकारी पर सपा के पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए अस्पताल की जांच और सरकारी मदद दिलाने का भरोसा दिया

पड़ोसियों ने घर पहुंचकर गाली-गलौज व जान से मारने की दी धमकी

मोहनलालगंज लखनऊ

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित पुरसेनी की अट्टालिका रिट्रीट कॉलोनी में पड़ोसियों द्वारा घर के बाहर पहुंचकर गाली -गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है पीड़ित ने कई लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत देकर पुलिस से कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है जानकारी के अनुसार पीड़ित उमेश सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह निवासी बी-16 अट्टालिका रिट्रीट पुरसेनी मोहनलालगंज ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते 21 जून की रात करीब 10 बजे वह अपने घर पर मौजूद थे आरोप है कि उसी दौरान कॉलोनी के निवासी सलीम अहमद पुत्र स्वर्गीय रफीक अहमद उनकी पत्नी पवन सिंह राजेश कुमार उनकी पत्नी रवीन्द्र कुमार यादव दिलीप सिंह, रामरूप मौर्य तथा उनकी पत्नी एकराय होकर उनके घर के बाहर आ गए पीड़ित का आरोप है कि सभी लोगों ने घर के बाहर खड़े होकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी घटना के बाद से वह और उनका परिवार भय के माहौल में रह रहा है पीड़ित का कहना है कि आरोपितों से उनके परिवार को लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ है पीड़ित ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने तथा अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है मामले में पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त हुई है शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके अनुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा से गूंजा पूरा क्षेत्र

मोहनलालगंज लखनऊ . मोहनलालगंज आषाढ़ माह के पावन अवसर पर बरवलिया गांव में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा श्रद्धा आस्था और उत्साह के साथ निकाली गई फूलों और रंग-बिरंगी झालरों से सुसज्जित रथ पर भगवान श्री जगन्नाथ की प्रतिमा विराजमान रही श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में भगवान के जयकारों और भजन-कीर्तन के साथ रथ यात्रा का स्वागत किया रथ यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकली जहां जगह-जगह ग्रामीणों ने भगवान की आरती उतारी और पुष्पवर्षा कर रथ का स्वागत किया महिलाओं पुरुषों युवाओं और बच्चों ने बड़ी संख्या में यात्रा में भाग लेकर धार्मिक उत्साह का परिचय दिया यात्रा के दौरान वातावरण ₹जय जगन्नाथ₹ के उद्घोष से भक्तिमय बना रहा आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि रथ यात्रा का उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति के साथ-साथ समाज में प्रेम भाईचारा और धार्मिक एकता का संदेश देना है यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण भी किया गया ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ आयोजन को सफल बनाया ग्रामीणों का कहना था कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा भारतीय सनातन संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है और इसमें शामिल होने को अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है देशभर में आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के अवसर पर भगवान जगन्नाथ बलभद्र और माता सुभद्रा की रथ यात्रा निकाली जाती है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं रथ यात्रा के सफल आयोजन पर पूरे गांव में हर्षोल्लास का माहौल रहा श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ से क्षेत्र में सुख-समृद्धि शांति और खुशहाली की कामना की

सीएचसी अधीक्षक के रवैये पर भड़का स्टाफ डॉक्टरों व एएनएम ने किया प्रदर्शन

मोहनलालगंज लखनऊ

मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को अधीक्षक के कथित रवैये को लेकर डॉक्टरों और एएनएम का गुस्सा फूट पड़ा नाराज स्वास्थ्यकर्मियों ने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और बाद में सीएमओ कार्यालय पहुंचकर अधीक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत सौंपी मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ ने जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराने और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है महिला चिकित्सक डॉ. संगीता चौहान ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्होंने बुधवार को अवकाश का आवेदन दिया था लेकिन अधीक्षक डॉ. दिवाकर ने छुट्टी स्वीकृत नहीं की उनका कहना है कि गुरुवार सुबह ड्यूटी पर पहुंचने के बाद जब वह उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अधीक्षक कक्ष में गईं तो उन्हें हाजिरी रजिस्टर नहीं दिया गया विरोध करने पर अधीक्षक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और हाजिरी रजिस्टर लेकर अस्पताल से चले गए।इस घटना के बाद एएनएम और अन्य स्वास्थ्यकर्मी महिला चिकित्सक के समर्थन में उतर आए कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में विरोध जताया और फिर सीएमओ कार्यालय पहुंचकर अधीक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई वहीं अधीक्षक डॉ. दिवाकर ने भी पूरे मामले में सीएमओ के समक्ष अपना पक्ष रखा दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद सीएमओ ने जांच टीम गठित करने तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया एएनएम बोलीं मीटिंग में होती है अभद्रता ट्रांसफर की कर चुके हैं मांगसीएचसी में तैनात एएनएम का आरोप है कि अधीक्षक अस्पताल बंद होने के बाद बैठक के लिए बुलाते हैं और बैठक के दौरान सार्वजनिक रूप से अभद्र व्यवहार करते हुए कर्मचारियों को खड़ा कर अपमानित करते हैं उनका कहना है कि इसी कारण करीब आधा दर्जन एएनएम पहले ही सीएमओ से स्थानांतरण की मांग कर चुकी हैं एएनएम का कहना है कि दिनभर क्षेत्र में कार्य करने के बाद देर शाम बैठक होने से घर-परिवार और बच्चों की देखभाल प्रभावित होती है ऐसे माहौल में कार्य करना कठिन हो गया है

जिलाधिकारी के अनुमोदन से सहकारी समितियों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक आवंटित

सोनभद्र।जिलाधिकारी सोनभद्र के अनुमोदन से खरीफ अभियान-2026 के दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के आधार पर जनपद की सहकारी समितियों एवं इफको केन्द्रों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक का आवंटन स्वीकृत किया गया है।इसके अंतर्गत 70 सहकारी समितियों को कुल 1017.00 मीट्रिक टन यूरिया तथा 73 सहकारी समितियों एवं इफको के 12 केन्द्रों को कुल 1155.00 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक आवंटित किया गया है।स्वीकृत आवंटन के अनुरूप पीसीएफ द्वारा संबंधित समितियों एवं उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर उर्वरक भेजने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

ड्यूटी के लिए निकले युवक का नहीं लगा सुराग पत्नी ने कोतवाली में दी गुमशुदगी की सूचना

मोहनलालगंज लखनऊ

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के अतरौली गांव निवासी एक व्यक्ति के रहस्यमय ढंग से लापता हो जाने का मामला सामने आया है गुरुवार को घर से नौकरी पर जाने के लिए निकले व्यक्ति के देर शाम तक वापस न लौटने और कार्यालय भी न पहुंचने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर पत्नी ने मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर गुमशुदगी की सूचना दी और पुलिस से खोजबीन की मांग की है जानकारी के अनुसार मोहनलालगंज के अतरौली गांव निवासी 42वर्षीय अनूप द्विवेदी पुत्र स्वर्गीय जनार्दन कुमार द्विवेदी लखनऊ स्थित बलिंगटन चौराहा क्षेत्र में एक आयसर कंपनी में कार्यरत हैं उनकी पत्नी सोनी द्विवेदी ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे उनके पति अपनी सफेद रंग की स्कूटी नंबर यूपी-32 ईएल-7911 से ड्यूटी के लिए घर से निकले थे दोपहर करीब 3 बजे उनके पुत्र हिमेश द्विवेदी के मोबाइल पर अनूप द्विवेदी के कार्यालय से फोन आया कार्यालय के कर्मचारियों ने बताया कि अनूप द्विवेदी आज ड्यूटी पर नहीं पहुंचे हैं और पूछा कि कहीं उनके साथ कोई अनहोनी तो नहीं हुई इसी दौरान मोबाइल नंबर 9415013113 से भी फोन आया जिसमें फोन करने वाले ने अपना नाम संजय उपाध्याय बताया परिजनों ने जब अनूप द्विवेदी के मोबाइल नंबर 9415261542 पर संपर्क करने का प्रयास किया तो उनका फोन लगातार स्विच ऑफ मिला इसके बाद परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों परिचितों और संभावित स्थानों पर उनकी तलाश की लेकिन देर शाम तक उनका कोई पता नहीं चल सका घटना से चिंतित पत्नी सोनी द्विवेदी ने मोहनलालगंज कोतवाली पहुंचकर लिखित सूचना देते हुए पुलिस से तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर खोजबीन शुरू करने की मांग की है परिजनों के अनुसार लापता अनूप द्विवेदी की लंबाई लगभग 5 फीट 4 इंच रंग गोरा शरीर इकहरा उम्र करीब 42 वर्ष है घर से निकलते समय उन्होंने काली हाफ शर्ट और पैंट पहन रखी थी तथा उनके बाल काले-सफेद हैं पुलिस ने प्रार्थना पत्र प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को अनूप द्विवेदी के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल मोहनलालगंज पुलिस अथवा उनके परिजनों को सूचना दें

विकास खण्ड में पंचायत सचिवों के क्लस्टर आवंटन पर फिर उठे सवाल

ग्रामीणों की शिकायतों के बावजूद फिर भी नहीं जागे जिम्मेदार तीन सचिव अब भी बिना ग्राम पंचायत के ग्रामीण परेशान

मोहनलालगंज लखनऊ, विकासखंड मोहनलालगंज में पंचायत सचिवों के क्लस्टर आवंटन को लेकर लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्था पर प्रशासन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा सका है इस संबंध में खबर पहले भी प्रकाशित की जा चुकी है लेकिन इसके बावजूद जिला स्तर के अधिकारियों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की नतीजतन तीन पंचायत सचिव आज भी बिना किसी ग्राम पंचायत के ब्लॉक कार्यालय से संबद्ध हैं जबकि कई सचिवों पर दो-दो क्लस्टरों का अतिरिक्त कार्यभार है इससे विकास कार्यों के साथ-साथ ग्रामीणों को मिलने वाली मूलभूत सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं जानकारी के अनुसार विकासखंड मोहनलालगंज में कुल 31 पंचायत सचिव तैनात हैं इसके बावजूद तीन सचिवों को अब तक किसी भी ग्राम पंचायत का कार्यभार नहीं सौंपा गया है और वे केवल ब्लॉक कार्यालय से संबद्ध रहकर वेतन प्राप्त कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर करीब पांच पंचायत सचिवों को दो-दो क्लस्टरों का जिम्मा सौंपा गया है प्रत्येक क्लस्टर में दो से तीन ग्राम पंचायतें शामिल हैं ऐसे में इन सचिवों के लिए सभी पंचायतों में नियमित रूप से पहुंचना संभव नहीं हो पा रहा है, जिससे ग्रामीणों को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र परिवार रजिस्टर की नकल निवास संबंधी अभिलेख और अन्य पंचायत संबंधी कार्यों के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं सूत्रों के मुताबिक पूर्व खंड विकास अधिकारी आशुतोष श्रीवास्तव ने बिना पंचायत आवंटन वाले सचिवों को ग्राम पंचायतें आवंटित करने का प्रस्ताव तैयार कर जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय भेजा था इसके बाद वर्तमान खंड विकास अधिकारी शिवकुमार ने भी चार जुलाई को तीनों बिना क्लस्टर वाले पंचायत सचिवों के आवंटन का प्रस्ताव दोबारा डीपीआरओ कार्यालय भेजा लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया इस देरी से विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि तीन सचिव खाली बैठे हैं तो उन्हें तत्काल ग्राम पंचायतों का आवंटन किया जाना चाहिए ताकि अतिरिक्त कार्यभार से जूझ रहे सचिवों को राहत मिले और ग्रामीणों को समय पर सुविधाएं मिल सकें खंड विकास अधिकारी शिवकुमार ने बताया कि बिना ग्राम पंचायत आवंटन वाले सचिवों के संबंध में प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा जा चुका है उन्होंने कहा कि क्लस्टर आवंटन सचिवों की कार्यप्रणाली और प्रदर्शन को ध्यान में रखकर किया जाएगा अब निर्णय जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय स्तर पर लिया जाना है ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि मामला लंबे समय से लंबित होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कोई गंभीर पहल नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक क्लस्टरों का निष्पक्ष और संतुलित आवंटन नहीं होगा तब तक विकास कार्यों की गति प्रभावित होती रहेगी और ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा

संदिग्धावस्था में युवती ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज लखनऊ,मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के धर्मावत खेड़ा गांव में गुरुवार की शाम एक युवती द्वारा सार्वजनिक शौचालय में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी जानकारी के अनुसार धर्मावत खेड़ा निवासी अंजली पुत्री सुशील कुमार रावत गुरुवार की शाम को घर के बाहर सार्वजनिक शौचालय जाने की बात कहकर निकली थी काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की इसी दौरान सार्वजनिक शौचालय के अंदर उसका शव फंदे से लटका मिला यह दृश्य देखकर परिजनों में कोहराम मच गया और आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए तथा शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू की इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है पुलिस परिजनों से पूछताछ के साथ-साथ अन्य तथ्यों को भी खंगाल रही है।इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि धर्मावत खेड़ा गांव में एक युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई की गई है तथा पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी

लखनऊ सिविल कोर्ट में बार एसोसिएशन के संयुक्त मंत्री का 44 वां जन्मदिवस मनाया

मोहनलालगंज लखनऊ

सिविल कोर्ट परिसर में शुक्रवार को लखनऊ बार एसोसिएशन के संयुक्त मंत्री ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी का 44वां जन्मदिवस पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया इस अवसर पर सिविल कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं पत्रकारों और शुभचिंतकों का जमावड़ा लगा रहा सभी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए दीर्घायु उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ अधिवक्ता राम सहाय यादव के नेतृत्व में किया गया समारोह के दौरान केक काटा गया माल्यार्पण किया गया और पुष्पगुच्छ भेंट कर ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी का सम्मान किया गया जन्मदिवस समारोह में सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता और पत्रकार मौजूद रहे हिंदी खबर न्यूज चैनल के वरिष्ठ पत्रकार अवधेश सिंह पत्रकार अतुल तिवारी ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी को शुभकामनाएं दीं और उनके सामाजिक व अधिवक्ता हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी हमेशा अधिवक्ताओं के हितों के लिए सक्रिय रहते हैं और बार एसोसिएशन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं समारोह का समापन मिठाई वितरण शुभकामनाओं और सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।